आईआईएम राँचीमें टीचिंग विद AI पर हुआ मंथन

आईआईएम रांची में टीचिंग विद AI पर हुआ मंथन

रांची| आईआईएम रांची के सेंटर फॉर टीचिंग विद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा 'टीचिंग विद AI' विषय पर पैनल चर्चा आयोजित की गई। निदेशक प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि शिक्षा मंत्रालय ने इसे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में मान्यता दी है। चर्चा में विशेषज्ञों ने कहा कि AI के दौर में अब रटने वाली शिक्षा के बजाय क्रिटिकल थिंकिंग, एथिकल रीजनिंग और समस्या समाधान पर ध्यान देना होगा। कार्यक्रम में 'इनसाइट्स' मैगजीन का विमोचन भी हुआ।

Dainik Bhaskar_20.02.2026_P. 2

'उच्च शिक्षा में एआइ का उपयोग बढ़ा'

जागरण संवाददाता, रांची : आइआइएम रांची ने अपने कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिक्षण केंद्र के सहयोग से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से शिक्षण विषय पर पैनल चर्चा का आयोजन किया। इसमें अग्रणी शिक्षाविदों और विशेषज्ञों ने भाग लिया और उच्च शिक्षा में कक्षाओं, अनुसंधान और मूल्यांकन प्रणालियों में एआइ की परिवर्तनकारी भूमिका पर विचार-विमर्श किया। स्वागत भाषण में, एआइ शिक्षण केंद्र के अध्यक्ष प्रो. मनीष कुमार ने बताया कि एआइ केवल परीक्षा प्रारूपों को ही नहीं बदल रहा है, बल्कि मूल्यांकन के मूल दर्शन को ही पुनर्परिभाषित कर रहा है। उन्होंने कहा चूंकि एआइ निबंध तैयार कर सकता है, केस स्टडी हल कर सकता है और जटिल निर्णय लेने में सहायता कर सकता है, इसलिए संस्थानों को अब रटने और पारंपरिक उत्तर-लेखन से आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा आलोचनात्मक सोच, नैतिक तर्क, प्रासंगिक समझ और समस्या निरूपण पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। वहीं, आइआइएम रांची के निदेशक, प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव ने वर्किंग विद एआइ जैसी पहलों के माध्यम से संस्थान द्वारा एआइ के सक्रिय एकीकरण पर प्रकाश डाला।

आइआइएम रांची में आयोजित कार्यक्रम में शामिल निदेशक व अतिथि • स्वयं

उन्होंने बताया कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने केंद्र को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता दी है। संस्थान का उद्देश्य एआइ-सक्षम शिक्षण विधियों और छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं के लिए लक्षित क्षमता निर्माण के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही सहयोग और नवाचार को प्रोत्साहित करना भी है। प्रो. अनुप्रिया खान ने पैनल चर्चा में लोगों को संबोधित किया और इनसाइट्स पत्रिका का विमोचन किया।

हाल के आंकड़ों का हवाला देते उन्होंने कहा उच्च शिक्षा के छात्रों के बीच एआइ का उपयोग तेजी से बढ़ा है और अब अधिकांश छात्र एआइ उपकरणों का उपयोग कर रहे हैं। शिक्षकों के सर्वेक्षण भी इसी तरह एआइ के प्रभाव के प्रति प्रबल अपेक्षाएं दर्शाते हैं।

Dainik Jagran 20.02.2026 P. 2